



Literacy for a Billion

Movie: Ijaazat

Year: 1988

आ ...

मेरा कुछ सामान
तुम्हारे पास पड़ा है
मेरा कुछ सामान
तुम्हारे पास पड़ा है

ओ सावन के कुछ
भीगे भीगे दिन रखे हैं
हो और मेरे इक ख़त में
लिपटी रात पड़ी है
वो रात बुझा दो
मेरा वो सामान लौटा दो
वो रात बुझा दो
मेरा वो सामान लौटा दो

मेरा कुछ सामान
तुम्हारे पास पड़ा है
ओ सावन के कुछ
भीगे भीगे दिन रखे हैं
हो और मेरे इक ख़त में
लिपटी रात पड़ी है
वो रात बुझा दो
मेरा वो सामान लौटा दो

पतझड़ है कुछ है ना हूँ
ओ ...
पतझड़ में कुछ पत्तों की
गिरने की आहट
कानों में इक बार

Song: Mera Kuch Samaan

Lyricist: Gulzar

पहनके लौट आई थी
पतझड़ की वो शाख अभी तक
काँप रही है
वो शाख गिरा दो
मेरा वो सामान लौटा दो
वो शाख गिरा दो
मेरा वो सामान लौटा दो

एक अकेली छतरी में जब
आधे आधे भीग रहे थे
एक अकेली छतरी में जब
आधे आधे भीग रहे थे

आधे सूखे आधे गीले
सूखा तो मैं ले आई थी
गीला मन शायद
बिस्तर के पास पड़ा हो
वो भिजवा दो
मेरा वो सामान लौटा दो

एक सौ सोलह चाँद की रातें
एक तुम्हारे काँधे का तिल
एक सौ सोलह चाँद की रातें
एक तुम्हारे काँधे का तिल
गीली मेहँदी की खुशबू
झूठमूठ के शिकवे कुछ
झूठमूठ के वादे भी
सब याद करा दूँ
सब भिजवा दो



Literacy for a Billion

मेरा वो सामान लौटा दो
सब भिजवा दो
मेरा वो सामान लौटा दो
एक इजाज़त दे दो बस

जब इसको दफ़नाऊँगी
मैं भी वहीं सो जाऊँगी
मैं भी वहीं सो जाऊँगी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.